Herbal Health Care ••••

Make Health Care a Daily Habit

Therapeutic Index

चिकित्सा पथप्रदर्शिका

Ayurveda is based on the premise that each individual is a particular combination of three humors, each governing different aspects of the body

Cafe P Syrup

SAFE & FREE FROM UNNECESSARY CALORIES AND FAT

Comprehensive Restorative Tonic

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 200 ml Syrup

Thermo Cure

SYRUP

Effective in FEVERS :

Typhoid, Viral, Malaria, Cold & Cough

मोतीझरा, पुराना ज्वर, ज्वर आने से पूर्व निर्बलता, विषम ज्वर रसरक्तादि धातुगत ज्वर, प्लीहा एवं यकृतजन्य ज्वर मे लाभकारी।

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 100 ml Syrup

SPLINIV

CAPSULE & D.S. SYRUP

Liver Disorder & Spleen Control

यकृत वृद्धि, यकृत सूजन, पीलिया, भूख न लगना मे लाभप्रद

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 100 ml, 200 ml Syrup

Sealed Packs of 30's, 500's Capsules

DERMOGEN

CAPSULE & SYRUP

the specific treatment of the skin diseases

फोड़ा, फुन्सी, कील मुंहासे, दाद, खाज, खुजली एवं विचर्चिका मे लाभप्रद

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 200 ml Syrup

Sealed Packs of 30's, 500's Capsules

VAGITRO

CAPSULE

Leucorrhea, Dysmenorrhea, Abnormal Menstrual bleeding

श्वेत प्रदर, रक्त प्रदर, मासिक धार्म की अनियमितता कमर दर्द, थकान आदि में लाभकारी

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

DYSPEP

Capsule

अपच, खट्टी डकार आना पेट फूलना, वायु विकार आदि में लाभप्रद

Indigestion, Hyper acidity, Sour eructation Flatulence, Dyspepsia, Distension

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

स्व० मूलचन्द वैद्य
संस्थापक

प्रस्तावना

भारत वर्ष में चिकित्सा शास्त्र का इतिहास अतीत के धूमिल और विरत्क्षत क्षितिज तक फैला हुआ है। ऋग्वेद में रोगों को नष्ट करने वाली बहुत सी वनस्पतियों का वर्णन है। ईसा से १००० वर्ष पूर्व रचित "चरक संहिता" में औषधि में काम आने वाली वनस्पतियों का बहुत ही वास्तविक एवं विशुद्ध वर्णन है, जो उस समय के विद्वानों को ज्ञात था।

"वनस्पति चिकित्सा मानव जाति का बहुत बड़ा उपकार कर सकती है" के आधार पर २२ वर्ष की उम्र से ही वैद्य मूलचन्द जी निरन्तर ६५ वर्ष तक उत्तर प्रदेश के नगर कासगंज में सतत् चिकित्सा कार्य करते रहे। इन्होंने यश का उपार्जन करते हुये भारत के प्रथम कोटि के वैद्यों में अपना स्थान बनाया।

निर्माणशाला के संस्थापक **श्री मूलचन्द जी वैद्य** इस क्षेत्र में अनुसंधान, संशोधन तथा प्रमाणीकरण का कार्य अनेक वनस्पतियों पर किया और इस अनुसंधान के फलस्वरूप अनेक प्रभावशाली उत्तम वनस्पतियों से आधुनिक वैज्ञानिक औषधि निर्माण प्रणाली के अनुसार प्रभावी योगों का निर्माण किया है। जिनकी रचना में आधुनिक तकनीकी विज्ञान तथा प्राचीन चिकित्सा का एकत्र समावेश किया गया है।

"सन रेज लेब्स" के योग, भारत की उन विशिष्ट स्वदेशी वनस्पतियों से तैयार किये जाते हैं जो हमारे विद्वानों से विरासत में मिली हैं। इस प्रकार प्राप्त हुई विशुद्ध वनस्पतियों का आधुनिक औषधि निर्माण की अत्यन्त सावधानी युक्त वैज्ञानिक प्रणालियों द्वारा परीक्षण तथा निरीक्षण करके विशिष्ट योग निर्मित किये जाते हैं। इसके पश्चात इन योगों को जनता जनार्दन के कल्याण हेतु प्रस्तुत किया जाता है। हमारा आज भी निरन्तर प्रयास है कि मानव जाति के अधिक से अधिक कल्याण में और अधिक योगदान कर सकें।

डा० (श्रीमती) अञ्जु वशिष्ठ
प्रबन्ध निदेशक

हल्के एवं तीव्र ज्वर में प्रभावशाली तथा सिरदर्द में शीघ्र कियाशील है।

प्रत्येक १० मिली० आयुष्मान ऑयल में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्व:

खस	३०० मिलीग्राम	नागरमोथा	३०० मिलीग्राम
चन्दन सफेद	३०० मिलीग्राम	रतनजोत	१०० मिलीग्राम
आँवला	३०० मिलीग्राम	सत पुदीना	५० मिलीग्राम
वनफ्सा	३०० मिलीग्राम	सत अजवायन	५० मिलीग्राम
ब्राह्मी	३०० मिलीग्राम	कर्पूर	५० मिलीग्राम
तगर	३०० मिलीग्राम	तेल तिली	१० मिलीलीटर

आयुष्मान ऑयल ही क्यों (गुण धर्म)

- यह आयुर्वेदिक ऑयल प्रतिदिन प्रयोगार्थ है।
- यह हल्के एवं तीव्र ज्वर में प्रभावशाली है।
- यह सिरदर्द, अर्द्धशीशी दर्द में शीघ्र क्रियाशील है।
- नाड़ी तन्त्र पर इसका शान्तप्रिय प्रभाव पड़ता है।
- मानसिक उलझन व बैचेनी तथा इससे उत्पन्न अधिक तनाव को आशानुरूप लाभ देता है।
- यह रूसी व खोपड़ी शुष्कता को रोकने में उपयोगी है।
- यह केशों को उलझने से बचाता है।
- यह उलझे हुये केशों (बालों) एवं मस्तिष्क को क्रियाशील बनाने में प्रभावकारी है।
- यह मानसिक क्रियाओं एवं स्मरण शक्ति में अभिवर्द्धि करता है।
- यह मस्तिष्क की कमजोरी को ठीक करने वाला है।
- अल्पांश का प्रयोग माथे और पलकों पर करने से ज्वर जनित नेत्रदाह कम करने में मददगारी है।
- यह अज्ञेय एवं तर्कहीन भय तथा विभिन्न प्रकार के फोबिया से छुटकारा दिलाता है।
- यह बहुउपयोगी एवं सुरक्षित है।

हल्के एवं तीव्र ज्वर में प्रभावशाली तथा सिरदर्द में शीघ्र कियाशील है।

- ✧ यह बिना किसी दुष्प्रभाव के दीर्घकाल तक उपयोग में लाया जा सकता है।
- ✧ यह केवल बाह्य प्रयोगार्थ है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है ? (रोगाधिकार)

- ◆ मन्द एवं तीव्र ज्वर में
- ◆ शिरःशूल में
- ◆ अर्द्धशीशी दर्द में
- ◆ मानसिक तनाव में
- ◆ ज्वर जनित नेत्रदाह में
- ◆ स्मरण शक्ति की क्षीणता में
- ◆ अज्ञेय एवं तर्कहीन भय (फोबिया) में

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

जब भी आवश्यक हो -

उचित मात्रा लेकर कुछ मिनट तक खोपड़ी पर हल्के हाथ से मालिश करें। कुछ देर रुक कर पुनः यही क्रिया दोहरायें। बालों को कंधें से संवार लें और इसके पश्चात शान्तप्रिय प्रभाव का अनुभव करें।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

ऑयल : ५० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।
४०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

थर्मोफिल ऑयल — **THERMOPHIL Oil**

ऐक्नो कैप्सूल — **ACHNO Capsule**

आमवात संबन्धी रोगों पर जड़ से प्रहार करता है।

प्रत्येक १० मिली० थर्मोफिल ऑयल में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

कायफल	३०० मिलीग्राम	कूठ	१०० मिलीग्राम
दालचीनी	३०० मिलीग्राम	मकोय	१०० मिलीग्राम
देवदारू	३०० मिलीग्राम	सोया	१०० मिलीग्राम
असगन्ध	२०० मिलीग्राम	सत अजवायन	५० मिलीग्राम
सोंठ	१०० मिलीग्राम	तेल तिली	१० मिलीलीटर
जटामांसी	१०० मिलीग्राम		

प्रत्येक एक्नो कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
काकड़ासिंगी	५० मिलीग्राम	महायोगराज गुग्गल	३०० मिलीग्राम
कालीमिर्च	५० मिलीग्राम	गन्धक रसायन	५० मिलीग्राम
मेथी	५० मिलीग्राम		

थर्मोफिल ऑयल एवं एक्नो कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- ✧ सूजन, दर्द और आक्षेप शामक
- ✧ मोच तथा कोमल शोथ (सूजन) से शीघ्र राहत
- ✧ अनैच्छिक माँसपेशियों के संगठन को कोमल बनाती है।
- ✧ मूत्र में से (यूरिक एसिड) मूत्राम्ल को निकालने में उत्तम
- ✧ अस्थियों में विकक्षति तथा आमवात संबंधी विकक्षतियों की उत्पत्ति को रोकता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ जीर्ण आमवात (संन्धिगत - आमवात)
- ✦ अनेक सन्धियों में एक साथ आमवातिक शोथ
- ✦ वातनाड़ी वेदना ✦ गक्ष्रंसी (गठिया)
- ✦ मोच आ जाना (वेदना)
- ✦ कशेरूका ग्रह (स्पॉन्डेलाइटिस) आमवात

थर्मोफिल ऑयल **THERMOPHIL Oil**

ऐक्नो कैप्सूल **ACHNO Capsule**

आमवात संबन्धी रोगों पर जड़ से प्रहार करता है।

- ✦ ऐड़ियों की अस्थियों में दर्द (आमवात)
- ✦ आमवातिक सन्धि शोथ ✦ वातनाड़ी शोथ
- ✦ संधियों (जोड़ों) से अन्यत्र होने वाले आमवात

प्रयोग प्रतिषेध - एक्नो कैप्सूल में गुग्गल का योग है, अतः गर्भावस्था में इसका प्रयोग निषिद्ध है।

वक्तव्य विशेष - थर्मोफिल ऑयल अथवा एक्नों कैप्सूल आमवात की चिकित्सा में काम आने वाली औषधियों के साथ दिया जा सकता है। यह रोग को मूल से नष्ट करता है। थर्मोफिल ऑयल बच्चों में न्यूमोनिया रोग के समय छाती पर हल्के से मालिश करने पर न्यूमोनिया के आक्रमण को तत्काल रोकता है।

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

थर्मोफिल ऑयल : आमवात में अथवा अन्य अवस्थाओं में मॉसपेशीगत वेदना शांति के लिए थर्मोफिल ऑयल आवश्यकतानुसार लेकर दिन में दो बार साधारण रूप से मालिश करनी चाहिए।

एक्नों कैप्सूल : अधिकत्तर रोगों में १ कैप्सूल दिन में २ या ३ बार रोग शान्त करने के लिए पर्याप्त है। रोग की तीव्र अवस्था में २-२ कैप्सूल दिन में २ बार तक सेवन करना चाहिए जब तक वेदना व सूजन नियंत्रित न हो जावे। कम से कम एक सप्ताह नियमित सेवन करने के उपरान्त ही एक्नो कैप्सूल का लाभ स्पष्ट दिखाई देने लगता है। एक बार सुधार प्रारम्भ हो जाने पर उत्तरोत्तर लाभ होता ही रहता हैं तीसरे सप्ताह में संतोषजनक लाभ दिखाई देने लगता है। किन्तु चिकित्सा उस समय तक जारी रखनी चाहिए जब तक सभी प्रकार की वेदना शान्त न हो जाए।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

ऑयल : २५ मिली०, ५० मिली०, १०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

ल्यूकोरल शर्बत
वेजाइट्रो कैप्सूल

LUCORAL Syrup
VAGITRO Capsule

अविशेष ल्यूकोरिया एवं श्वेत प्रदर शामक

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) ल्यूकोरल शर्बत में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

अशोक त्वक्	२०० मिलीग्राम	हरड़	५० मिलीग्राम
आम त्वक्	१०० मिलीग्राम	बहेड़ा	५० मिलीग्राम
अडूसा	१०० मिलीग्राम	आँवला	५० मिलीग्राम
धाय के फूल	१०० मिलीग्राम	सफेद चन्दन	५० मिलीग्राम
सोंठ	५० मिलीग्राम	रक्त चन्दन	५० मिलीग्राम
दारूहल्दी	५० मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिलीलीटर
कालाजीरा	५० मिलीग्राम		

प्रत्येक वेजाइट्रो कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
अशोक	५० मिली ग्राम	पुष्यानुग चूर्ण	२०० मिली ग्राम
हरड़	५० मिली ग्राम	प्रदरान्तक लौह	१०० मिलीग्राम
बहेड़ा	५० मिलीग्राम	प्रवाल पिष्टी	५० मिलीग्राम

ल्यूकोरल शर्बत एवं वेजाइट्रो कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- श्वेत प्रदर पर काबू।
- गर्भाशय मांसपेशियों पर सीधा और साक्षात प्रभाव करता है।
- गर्भाशय के रक्ताभिसण को सुधारता है।
- गर्भाशय पर सीधे असर करके पेशी रचित प्रणाली को उचित दिशा में लाता है।
- अंडाशय, गर्भाशय और गर्भाशयान्तस्तर (जीव) पर उत्तेजनकारी दबाब डालता है।
- प्रजनन संस्थान को अन्तः श्लेष्मिक कला पर संकोचात्मक तथा संशोधक प्रभाव उत्पन्न करता है।

ल्यूकोरल शर्बत
वेजाइट्रो कैप्सूल

LUCORAL Syrup
VAGITRO Capsule

अविशेष ल्यूकोरिया एवं श्वेत प्रदर शामक

- ✧ गर्भाशय के कारण होने वाले अवसारक प्रभावों का नाशक है।
- ✧ समस्त संस्थान का उत्तेजक है।
- ✧ दीर्घकालिक प्रयोग करने में सुरक्षित है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है ? (रोगाधिकार)

- ✦ अविशेष श्वेत प्रदर से सम्बन्धित होने वाले कटिशूल।
- ✦ शैथिल्यता ✦ बैचेनी ✦ बाँझपन
- ✦ मासिक धर्म, ऋतुश्रावीक में अनियमितता
- ✦ गर्भपात या गर्भस्राव का रक्तस्राव
- ✦ ट्यूवेक्टोमी (डिम्ब वाहिनी) आपरेशन के बाद होने वाला श्वेत प्रदर

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

ल्यूकोरल शर्बत : २ चाय का चम्मच भर (१० मिलीलीटर) भोजन से पहले दिन में २ या ३ बार सेवन करना चाहिए।

बेजाइट्रो कैप्सूल : अधिकत्तर रोगों में १ कैप्सूल दिन में २ या ३ बार रोग शान्त करने के लिए महिलाओं को पर्याप्त है। रोग की तीव्रता की अवस्था में २-२ कैप्सूल दिन में २ बार तब तक सेवन करना चाहिए जब तक रोग नियन्त्रित न हो जाये। कम से कम एक सप्ताह नियमित सेवन करने के उपरान्त ही वेजाइट्रो कैप्सूल का लाभ स्पष्ट दिखाई देने लगता है। एक बार सुधार प्रारम्भ हो जाने पर उत्तरोत्तर लाभ होता ही रहता है। तीसरे सप्ताह में संतोष जनक लाभ दिखाई देने लगता है। किन्तु चिकित्सा उस समय तक जारी रखनी चाहिए जब तक सभी प्रकार की वेदना शान्त न हो जाये। इसमें लगभग ४ से ६ महीने लग जाते हैं।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

शर्बत : २०० मिलीलीटर की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

ब्रोन्कोरल खाँसी शर्बत
ब्रोन्कफ कैप्सूल

BRONCORAL Cough Syrup
BRONCUF Capsule

खाँसी को शीघ्र रोकता है।

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) ब्रोन्कोरल में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

बबूलत्वक्	१०० मिलीग्राम	कालीमिर्च	२० मिलीग्राम
अडूसा	१०० मिलीग्राम	लौंग	२० मिलीग्राम
तुलसी	२० मिलीग्राम	काकड़ासिंगी	२० मिलीग्राम
कायफल	२० मिलीग्राम	कत्था	२० मिलीग्राम
मुलेठी	२० मिलीग्राम	सत पुदीना	२५ मिलीग्राम
वनफ्सा	२० मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिली लीटर
पीपल	२० मिलीग्राम		

प्रत्येक ब्रोन्कफ कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
अडूसा	१०० मिलीग्राम	सूत शेखर रस	३०० मिली ग्राम
वंश लोचन	१०० मिलीग्राम		

ब्रोन्कोरल शर्बत एवं ब्रोन्कफ कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- ✧ खाँसी की उग्रता को शीघ्र काबू में।
- ✧ अलग अलग प्रकार की खांसी से छुटकारा।
- ✧ श्वांसनलिका तथा फुफ्फस, श्वांस प्रणाली, अस्थमा के कफ की विकासशीलता को कम करता है।
- ✧ श्वांस नलिका के स्राव को बढ़ा उसे सरलता से बाहर निकालता है।
- ✧ रोगाणुरोधक गुणों में बढ़ावा।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ खांसी से तुरन्त छुटकारा पाने के लिए

ब्रोन्कोरल खाँसी शर्बत

ब्रोन्कफ कैप्सूल

BRONCORAL Cough Syrup
BRONCUF Capsule

खाँसी को शीघ्र रोकता है।

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

बच्चे : १/२ से १ चाय का चम्मच भरके (२.५ मिली० से ५ मिली०) दिन में २ या ३ बार ।

वयस्क : १ से २ चाय का चम्मच भरके (५ मिली० से १० मिली०) दिन में २ या ३ बार।

कैप्सूल : १ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

शर्बत : १०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

शिशुओं की सेहतमन्द, तंदरुस्त एवं स्वास्थ्य वक्षद्धि के लिए

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) बेबीलिव में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

हर्र बकुली	२६ मिलीग्राम	मुनक्का	२६ मिलीग्राम
हर्र छोटी	२६ मिलीग्राम	गुलवनफ्सा	२६ मिलीग्राम
सनोय	२६ मिलीग्राम	अजवायन	२६ मिलीग्राम
सौंफ	२६ मिलीग्राम	पीपल छोटी	२६ मिलीग्राम
अतीस	२६ मिलीग्राम	कांकड़ासिंगी	२६ मिलीग्राम
मरोर फली	२६ मिलीग्राम	सौंठ	२६ मिलीग्राम
वायविडंग	२६ मिलीग्राम	हंसराज	२६ मिलीग्राम

इसमें सुहागा फूला १२५ मिलीग्राम तैयार करके मिश्रित किया जाता है।

बेबीलिव शर्बत ही क्यों (गुण धर्म)

- बेबीलिव के नियमित सेवन से पाचन सम्बन्धी आम शिकायतें जैसे कि हवा, उदरशूल, अतिसार, दतोभ्देन कालीन तकलीफें आदि दूर होती हैं। बेबीलिव के सेवन से शिशु स्वास्थ्य विकास पाकर हँसता खेलता रहता है।
- शिशुओं के पाचन सम्बन्धी विकारों को उत्पन्न होने से रोकता है
- उदरशूल, वायु (गैस), कब्ज, दतोभ्देन कालीन तकलीफें आदि को दूर करता है।
- भूख बढ़ाता है और शिशु की स्वास्थ्य की वक्षद्धि करता है।
- अफीम, सोमरस, प्रशासक रस से और मदसार रस से मुक्त है इसलिए सुरक्षित है।
- शिशुओं को इसका स्वाद अच्छा लगता है।
- शिशुओं के शरीर में होने वाली भार वक्षद्धि और नियमित विकास प्रदान करने में सहायक है।

शिशुओं की सेहतमन्द, तंदरुस्त एवं स्वास्थ्य वक्ष्द्धि के लिए

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- प्रतिदिन सेहतमन्द, तन्दरूस्त एवं स्वास्थ्य वक्ष्द्धि के लिए।
- शिशुओं में पाचन सम्बन्धी आम कारणों को दूर करके स्वास्थ्य विकास करता है।

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

स्वास्थ्य वक्ष्द्धि और व्याधिशामक के रूप में दिन में २ या ३ बार दे सकते हैं।

१ महीने से ६ महीने तक : १ चाय का चम्मच भर (५ मिली०)
६ महिने से १ वर्ष तक : २ चाय का चम्म्च भर (१० मिली०)
२ वर्ष की आयु : २ से ३ चाय के चम्मच भर (१० से १५ मिली०)

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

शर्बत : ५० मिली० एवं १०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

गैसोफ शर्बत — GASOFF Syrup
डिसपेप कैप्सूल — DYSPEP Capsule

अम्ल पित्त एवं वायु (गैस) को दूर करता है।

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) गैसोफ में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

अजवायन	५० मिलीग्राम	दालचीनी	५० मिलीग्राम
चित्रक	५० मिलीग्राम	सौंफ	५० मिलीग्राम
शीतलचीनी	५० मिलीग्राम	नाग केशर	५० मिलीग्राम
सौंठ	५० मिलीग्राम	काली मिर्च	५० मिलीग्राम
पीपल	५० मिलीग्राम	सत पुदीना	२५ मिलीग्राम
वाय विडंग	५० मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिली लीटर

प्रत्येक डिसपेप कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
धनियाँ	५० मिलीग्राम	अग्निकुमार रस	२०० मिली ग्राम
तेजपत्र	५० मिलीग्राम	प्रवाल भस्म	५० मिली ग्राम
तालीश पत्र	५० मिलीग्राम		
हरड़	५० मिलीग्राम		
बहेड़ा	५० मिलीग्राम		

गैसोफ शर्बत एवं डिसपैप कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- गैस की बैचेनी से मुक्ति, नियमित रूप से प्रयोग करने से पाचन क्रिया को सक्रिय करता है।
- अधिक अम्लता रोक कर उसका शमन करता है।
- भारी और अनियमित भोजन के पश्चात पाचन में सहायक होता है।
- वायु (गैस) का बनना रोकता है।
- दीर्घकालीन उपयोग करने में सम्पूर्ण सुरक्षित है।

गैसोफ शर्बत
डिसपेप कैप्सूल

GASOFF Syrup
DYSPEP Capsule

अम्ल पित्त एवं वायु (गैस) को दूर करता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- वायु
- अरुचि
- अजीर्ण
- भारी भोजन से होने वाला उदर का भारीपन
- अम्ल पित्त
- उदरीय'क्ष' किरण चित्रण के पूर्व तैयारी में
- बदहजमी
- शल्य क्रिया के बाद

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

शर्बत : २ चाय का चम्मच भर (१० मिली०) भोजन के बाद या आवश्यकतानुसार दिन में २ या ३ बार सेवन करना चाहिए।

कैप्सूल : १ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

शर्बत : २०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

पुरुष और स्त्रियों - दोनों के लिए शक्तिदायक टॉनिक, बुढ़ापा दूर रखकर, तन व मन को नवजीवन प्रदान करता है।

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) केफे पी में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

असगन्ध	५० मिलीग्राम	हरड़	५० मिलीग्राम
सफेद मूसली	५० मिलीग्राम	बहेड़ा	५० मिलीग्राम
सतावर	५० मिलीग्राम	आँवला	५० मिलीग्राम
कौंच	५० मिलीग्राम	ब्रॉह्मी	५० मिलीग्राम
जटामांसी	५० मिलीग्राम	तालमखाना	५० मिलीग्राम
कंघी	५० मिलीग्राम	वंशलोचन	५० मिलीग्राम
जीवन्ती	५० मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिली लीटर

केफे पी शर्बत ही क्यों (गुण धर्म)

- शरीर के अंग प्रत्यांग को सर्वतोन्मुखी चुस्तीला और फुर्तीला बनाता है, आम आदमी के शारीरिक तनाव दूर करके, उसे रोज के तनावपूर्ण जिन्दगी का सामना करने की शक्ति देता है। इसके उपरान्त प्राकक्षतिक रूप से खनिज और पौष्टिक तत्व प्रदान करता है।
- बुढ़ापा लाने वाले परिवर्तनों पर अंकुश रखकर देह धातुओं को बढ़ाकर बुढ़ापा रोकता है।
- सबलता और मानसिक सक्रियता को बढ़ाता है।
- मरीज को तनावपूर्ण अवधि में सक्रिय रखता है।
- भूख, पाचन क्रिया में वक्ष्द्धि और शौच क्रिया को नियमित रखता है।
- मॉंशपेशियों को सशक्त व कोषों की नवरचना करता है।
- घाव एवं अस्थिभंग को शीघ्र निरूपण करता है।
- न्यासर्ग बढ़ाकर लैंगिक क्रम को सक्रिय करता है।

पुरुष और स्त्रियों - दोनों के लिए शक्तिदायक टॉनिक, बुढ़ापा दूर रखकर, तन व मन को नवजीवन प्रदान करता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ प्रतिदिन सेहतमन्द, तंदरुस्त एवं स्वास्थ्य वक्ष्द्धि के लिए
- ✦ शारीरिक एवं मानसिक तनाव में
- ✦ व्यग्रता, उत्सुकता
- ✦ स्त्रियों की रजोनिवक्षति के लक्षण में
- ✦ पुरूषों के वार्धक्य में

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

प्रारम्भ में १ चाय का चम्मच भर के (५ मिली०) प्रतिदिन २ या ३ बार, बाद में १ चाय का चम्मच भर १ या २ बार, अनुरक्षक लघुकक्ष्त खुराक के रूप में।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

शर्बत : २०० मिली की मुहरबन्द बोतलों में।

स्प्लीनिव डी.एस. शर्बत
स्प्लीनिव कैप्सूल

SPLINIV D.S. Syrup
SPLINIV Capsule

यकक्ष्त के कार्य को सुधारता है : भूख तथा भार बढ़ाता है।

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) स्प्लीनिव डी.एस. शर्बत में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

हरड़	५० मिलीग्राम	सौंठ	५० मिलीग्राम
बहेड़ा	५० मिलीग्राम	पीपल	५० मिलीग्राम
आँवला	५० मिलीग्राम	दारूहल्दी	५० मिलीग्राम
गिलोय	५० मिलीग्राम	वंशलोचन	५० मिलीग्राम
अडूसा	५० मिलीग्राम	नागरमोथा	५० मिलीग्राम
कुटुकी	५० मिलीग्राम	मूसली सफेद	५० मिलीग्राम
पित्तपापड़ा	५० मिलीग्राम	सतावर	५० मिलीग्राम
वायविडंग	५० मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिली लीटर

प्रत्येक स्प्लीनिव कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
वंशलोचन	५० मिलीग्राम	यकक्ष्तप्लीहरि लौह	२०० मिलीग्राम
सफेद मूसली	५० मिलीग्राम	शंख भस्म	५० मिलीग्राम
सतावर	५० मिलीग्राम	आरोग्यवर्धिनी वटी	१०० मिलीग्राम

स्प्लीनिव डी.एस. शर्बत एवं स्प्लीनिव कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- पेरासीटामोल, एन्टीबायोटिक्स (रोगाणुहर द्रव्य) मुख द्वारा सेवित, गर्भाधान - बाधक, शराब तथा केन्सर विरोधी औषधियों द्वारा विकक्ष्त हुये यकक्ष्त के सूक्ष्म आन्तरिक कोषों की रक्षा करता है।
- यकक्ष्त की पोषण सम्बन्धी प्रक्रिया को उत्तेजित करता है।
- आहार मिलावट, धुआँ, पानी, पेस्टीसाइड्स और हवा इनसे पर्याप्त जहरीलेपन की "विषहरणकर्ता" के रूप में कार्य करता है।
- प्लाज्मा-प्रोटीन समन्वयित कर नियमित कार्य कराता है।
- यकक्ष्त कोषों को उत्तेजित कर ग्लूकोज को ग्लाइकोजन में परिवर्तित करता है। बिलीरूबिन (पैत्तिक तत्व) को नियंत्रित करता है।

स्प्लीनिव डी.एस. शर्बत
स्प्लीनिव कैप्सूल

SPLINIV D.S. Syrup
SPLINIV Capsule

यकक्ष्त के कार्य को सुधारता है : भूख तथा भार बढ़ाता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ यकक्ष्त वक्ष्द्धि तथा वसामय यकक्ष्त
- ✦ प्लीहा वक्ष्द्धि तथा शोथमय प्लीहा
- ✦ यकक्ष्त - शोथ
- ✦ बच्चों के यकक्ष्त विकार
- ✦ यकक्ष्त सिरोसिस की पूर्वावस्था अथवा प्रारम्भिक दशा
- ✦ प्रोटीन की कमी से पाण्डु रोग, बालशोष
- ✦ गर्भिणी में विष का संक्रमण
- ✦ कामला (जोइंडिस)
- ✦ भूख बढ़ाने
- ✦ वजन बढ़ाने
- ✦ अरुचि
- ✦ रसायनिक योगों अथवा नशीली वस्तुओं के सेवन से उत्पन्न दुष्प्रभावों के विरूद्ध

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

बच्चे : १/२ से १ चाय का चम्मच भरके (२.५ मिली० से ५ मिली०) दिन में २ या ३ बार ।

वयस्क : १ से २ चाय का चम्मच भरके (५ मिली० से १० मिली०) दिन में २ या ३ बार।

कैप्सूल : १ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

शर्बत : १०० मिली० एवं २०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

डर्मोजिन शर्बत एवं कैप्सूल

DERMOGEN
Syrup & Capsule

जीर्ण त्वचा रोग नाशक एवं रक्त शोधक

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) डर्मोजिन शर्बत में औषधियों का अनुपात : (योग)

सत्वः

नीमत्वक्	७५ मिलीग्राम	मकोय	७५ मिलीग्राम
कचनारत्वक्	७५ मिलीग्राम	गिलोय	७५ मिलीग्राम
सफेद चन्दन	७५ मिलीग्राम	असगंध	७५ मिलीग्राम
रक्त चंदन	७५ मिलीग्राम	कूठ	७५ मिलीग्राम
वायबिडंग	७५ मिलीग्राम	सनाय	७५ मिलीग्राम
सतावर	७५ मिलीग्राम	देवदारू	७५ मिलीग्राम
आँवला	७५ मिलीग्राम	सत इलायची	०.००५ मिलीलीटर

प्रत्येक डर्मोजिन कैप्सूल में औषधियों का अनुपात : (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
नीमत्वक्	५० मिलीग्राम	आरोग्यवर्धिनी वटी	१०० मिलीग्राम
मेथी	५० मिलीग्राम	कैशोर गुग्गल	२०० मिलीग्राम
		गन्धक रसायन	५० मिलीग्राम
		रस माणिक्य	५० मिलीग्राम

डर्मोजिन शर्बत व डर्मोजिन कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म) :

- ✧ रूधिर के अवयवों को संतुलित करता है।
- ✧ रूधिर के संक्रमण को शुद्ध करता है।
- ✧ शोथ शामक।
- ✧ विभिन्न कारणों से होने वाली त्वचा शोथ शामक।
- ✧ त्वचा की जलन एवं खाज शामक।
- ✧ श्वाँसादि फुफ्फुसों की संक्षोभजन्य (अलर्जिक) दशा में प्रभावशील।
- ✧ त्वचा की कोमलता एवं सुन्दरता में निखार लाता है।
- ✧ कील, मुहांसों को नष्ट करता है।

जीर्ण त्वचा रोग नाशक एवं रक्त शोधक

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार) :

- ✦ जीर्ण त्वचा रोग
- ✦ जीर्ण शीत पित्त
- ✦ वातनाड़ी जन्य त्वचा शोथ
- ✦ श्वास संस्थानीय संक्षोभ (अनुपश्यता - अलर्जी)
- ✦ त्वचा ग्रन्थि पीड़िकाएं
- ✦ जीर्ण त्वचा विचर्चिका
- ✦ पैत्तिक पीड़िकाएं
- ✦ कील एवं मुहाँसे

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा) :

शर्बत :

बच्चे : १/२ से १ चाय का चम्मच भरके (२.५ मि०ली० से ५ मि०ली०) दिन में २ या ३ बार।

वयस्क : १ से २ चाय के चम्मच भरके (५ मि०ली० से १० मि०ली०) दिन में २ या ३ बार।

कैप्सूल :

१ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि) :

शर्बत : २०० मि०ली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।

५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

थर्मोक्योर शर्बत
मेलोरिन कैप्सूल

THERMOCURE Syrup
MALORIN Capsule

दीर्घकालीन ज्वर, विषम ज्वर

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) थर्मोक्योर शर्बत में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

गिलोय	५० मिलीग्राम	सफेद चन्दन	५० मिलीग्राम
खस	५० मिलीग्राम	दारू हल्दी	५० मिलीग्राम
पीपल	५० मिलीग्राम	हरड़	५० मिलीग्राम
नागर मोथा	५० मिलीग्राम	बहेड़ा	५० मिलीग्राम
इन्द्र जौ	५० मिलीग्राम	आँवला	५० मिलीग्राम
धनियाँ	५० मिलीग्राम	वनफ्सा	५० मिलीग्राम
सोंठ	५० मिलीग्राम	अमलतास	५० मिलीग्राम
काला जीरा	५० मिलीग्राम	सत इलायची	.००५ मिली लीटर

प्रत्येक मेलोरिन कैप्सूल में औषधियों का अनुपात : (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
चिरायता	५० मिलीग्राम	गोदन्ती भस्म	१५० मिली ग्राम
हरड़	५० मिलीग्राम	विषम ज्वरांतक लौह	१५० मिलीग्राम
आँवला	५० मिलीग्राम		
गुडूची	५० मिलीग्राम		

थर्मोक्योर शर्बत एवं मेलोरिन कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- पुराने ज्वर को दूर करता है।
- विषम ज्वर (मलेरिया) को लाभ प्रदान करता है।
- प्लीहा (तिल्ली) जन्य कुप्रभावों को नष्ट करता है।
- बहुआकक्षतिय श्वेत कण का रासायनिक विकर्षण बढ़ाकर रोग संचार का समाना करने की शक्ति बढ़ाता है।
- शरीर की अपनी अंदरूनी सुरक्षा प्रक्रिया को बढ़ाता है।
- तीव्रग्राही अवस्था में राहत देता है।

थर्मोक्योर शर्बत
मेलोरिन कैप्सूल

THERMOCURE Syrup
MALORIN Capsule

दीर्घकालीन ज्वर, विषम ज्वर

- ✧ नियमित रूप से सर्दी-जुकाम में लाभ प्रदान करता है।
- ✧ यह प्रति जीविक पदार्थ और त्रिणाणु रहित होने के कारण दुष्परिणाम तथा अवरोध से मुक्त है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ जीर्ण ज्वर
- ✦ सूतिका ज्वर
- ✦ पुराना ज्वर
- ✦ परिवर्तित ज्वर
- ✦ विषम ज्वर
- ✦ प्रतिश्याय
- ✦ संक्रमण
- ✦ सामान्य तीव्र रोग संचार के समय

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

व्याधिशामक के रूप में :

शर्बत :

बच्चे : १/२ से १ चाय का चम्मच भरके प्रतिदिन २ या ३ बार ।

वयस्क : १ से २ चाय का चम्मच भरके प्रतिदिन २ या ३ बार।

कैप्सूल : १ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

शर्बत : १०० मिलीलीटर की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

हीमोटिन शर्बत एवं कैप्सूल

HEMOTIN Syrup & Capsule

रक्त की कमी को दूर करके शक्तिदायक टॉनिक से बढ़कर तन और मन को नवजीवन प्रदान करता है।

प्रत्येक चाय का चम्मच भर (५ मिली०) हीमोटिन में औषधियों का अनुपात (योग)

सत्वः

अनन्तमूल	५० मिलीग्राम	घीग्वार	५० मिलीग्राम
मंजीठ	५० मिलीग्राम	चोपचीनी	५० मिलीग्राम
असगन्ध	५० मिलीग्राम	सतावर	५० मिलीग्राम
वंशलोचन	५० मिलीग्राम	जीवन्ती	५० मिलीग्राम
गिलोय	५० मिलीग्राम	मुलैठी	५० मिलीग्राम

प्रत्येक हीमोटिन कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
अनन्तमूल	५० मिलीग्राम	ताप्यादि लौह	२५० मिलीग्राम
मजीठ	५० मिलीग्राम		
असगन्ध	५० मिलीग्राम		
वंशलोचन	५० मिलीग्राम		
सतावर	५० मिलीग्राम		

हीमोटिन शर्बत एवं कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- ✧ रक्ताणु की कमी को दूर करके शरीर के अंग-प्रत्यांग को सर्वतोन्मुखी चुस्तीला व फुर्तीला बनाता है।
- ✧ मांसपेशियों को सशक्त बनाता है।
- ✧ रूधिर कोशिकाओं एवं कणिकाओं की अभिवक्ष्द्धि करता है।
- ✧ घबराहट, वैचैनी एंव हाथ पैरों की जलन ठीक करता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- ✦ वातज - मानसिक चिंताजन्य पाण्डु
- ✦ पित्तज पाण्डु

हीमोटिन शर्बत एवं कैप्सूल

HEMOTIN Syrup & Capsule

रक्त की कमी को दूर करके शक्तिदायक टॉनिक से बढ़कर तन और मन को नवजीवन प्रदान करता है।

- ✦ यकक्ष्त - क्षीणताजन्य पाण्डु
- ✦ यकक्ष्त - प्लीहा वक्ष्द्वि जन्य पाण्डु
- ✦ कक्ष्मिज जन्य पाण्डु
- ✦ स्त्रियों के पाण्डु
- ✦ रक्तस्राव, रजःस्राव या रक्ताणु की कमी से पाण्डु
- ✦ गर्भाशय दोष से पाण्डु
- ✦ ज्वर के पश्चात पाण्डु
- ✦ सूजन - सह पाण्डु

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

बच्चे : १/२ से १ चाय का चम्मच भरके (२.५ मिली० से ५ मिली०) दिन में २ या ३ बार ।

वयस्क : १ से २ चाय का चम्मच भरके (५ मिली० से १० मिली०) दिन में २ या ३ बार।
१ से २ कैप्सूल वयस्कों को दिन में २ या ३ बार

कैसे प्रस्तुत किया जाता है। (उपलब्धि)

शर्बत : १०० मिली० एवं २०० मिली० की मुहरबन्द बोतलों में।

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

दीर्घकालीन शिरःशूल एवं अर्द्धशीशी शिरःशूल में लाभकारी

प्रत्येक माइग्रा कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
हरड़	५० मिलीग्राम	शिरःशूलादिवज्ररस	२०० मिलीग्राम
बहेड़ा	५० मिलीग्राम	गोदन्ती भस्म	५० मिलीग्राम
आँवला	५० मिलीग्राम		
तालीशपत्र	५० मिलीग्राम		
लौंग	५० मिलीग्राम		

माइग्रा कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- मस्तिष्क में शुष्कता को दूर कर सिरदर्द को ठीक करता है।
- सिर में कील गाढ़ने की सदक्ष्य वेदना को दूर करता है।
- अक्स्मात सिर में होने वाली वेदना में।
- मस्तिष्क की आधी ओर होने वाली वेदना में।
- त्रिदोषजन्य शिरःशूल में।
- दीर्घकालीन अर्द्धशीशी शिरःशूल में।
- दक्ष्टिनाश से उत्पन्न शिरःशूल में।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- वातिक, पैत्तिक, श्लैष्मिक और त्रिदोषज सिरदर्द में।
- तीव्र शिरःशूल में।
- मस्तिष्क की कमजोरी से उत्पन्न सिरदर्द में।
- दक्ष्टि की कमजोरी से उत्पन्न सिरदर्द में।
- शारीरिक शक्ति की कमजोरी से उत्पन्न सिरदर्द में।

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

माइग्रा कैप्सूल - अधिकतर रोगों में १ से २ कैप्सूल दिन में २ या ३ बार रोग शान्त करने के लिए पर्याप्त है रोग की तीव्र अवस्था में २ - २ कैप्सूल दिन में २ बार तब तक सेवन करना चाहिए जब तक रोग नियन्त्रित न हो

जावे। कम से कम एक सप्ताह नियमित सेवन करने के उपरान्त ही माइग्रा कैप्सूल का लाभ स्पष्ट दिखाई देने लगता है। एक बार सुधार प्रारम्भ हो जाने पर उत्तरोत्तर लाभ होता ही रहता है। परन्तु चिकित्सा उस समय तक जारी रखनी चाहिए जब तक सभी प्रकार की वेदना शान्त न हो जाये। इसमें लगभग ४-६ महीने लग जाते हैं।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।
५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

मस्तिष्क को सक्रिय रखकर मानसिक तनाव को कम करता है।

प्रत्येक जाइटी कैप्सूल में औषधियों का अनुपात (योग)

चूर्ण :		शास्त्रीय योग :	
सफेद चन्दन	५० मिलीग्राम	मुक्ता पिष्टी	१०० मिलीग्राम
रक्त चन्दन	५० मिलीग्राम	रजावर्त भस्म	१०० मिलीग्राम
		सूतशेखर रस	५० मिलीग्राम
		हृदयावरण रस	१०० मिलीग्राम
		कामदूधा रस	५० मिलीग्राम

जाइटी कैप्सूल ही क्यों (गुण धर्म)

- मस्तिष्क को सक्रिय बनाता है।
- मानसिक भ्रान्त व्यक्तिमें मानसिक सुधार लाकर व्यक्ति को सामाजिक अलगावपन से विमुक्त करता है।
- आत्म विश्वास बढ़ाता है।
- मनस्ताप और आतुरता में सुधार करता है।
- मन्दबुद्धि को लाभ प्रदान करता है।
- निद्रा नाश को दूर कर शान्तप्रिय नींद प्रदान करता है।
- मानसिक उलझन व बैचेनी तथा इससे उत्पन्न अधिक तनाव में आशानुरूप लाभप्रद है।
- अज्ञेय एवं तर्कहीन भय तथा विभिन्न प्रकार के फोबिया से छुटकारा दिलाता है।

कहाँ प्रयोग किया जाता है (रोगाधिकार)

- व्याधिशामक के रूप में
- मनोशास्त्र सम्बन्धी समस्या में
- निद्रानाश में
- उद्वेग, पागलपन, उदासीनता में
- आक्रमणकारी स्वभाव में
- मिर्गी की दवा के साथ प्रयोग किया जा सकता है।

मस्तिष्क को सक्रिय रखकर मानसिक तनाव को कम करता है।

कैसे प्रयोग किया जाता है (मात्रा)

जाइटी कैप्सूल - अधिकरतर रोगों में १ कैप्सूल दिन में २ या ३ बार रोग शान्त करने के लिए पर्याप्त है रोग की तीव्र अवस्था में २-२ कैप्सूल दिन में २ बार तब तक सेवन करना चाहिए जब तक रोग नियन्त्रित न हो जावे। कम से कम एक सप्ताह नियमित सेवन करने के उपरान्त ही जाइटी कैप्सूल का लाभ स्पष्ट दिखाई देने लगता है। एक बार सुधार प्रारम्भ हो जाने पर उत्तरोत्तर लाभ होता ही रहता है। तीसरे सप्ताह में संतोषजनक लाभ दिखाई देने लगता है किन्तु चिकित्सा उस समय तक जारी रखनी चाहिए जब तक सभी प्रकार की वेदना शान्त न हो जाये। इसमें लगभग ४-६ महीने लग जाते हैं।

कैसे प्रस्तुत किया जाता है (उपलब्धि)

कैप्सूल : ३० कैप्सूल की मुहरबन्द डिब्बियों में।

५०० कैप्सूल की मुहरबन्द जार पैक में (केवल चिकित्सकों के निजी प्रयोगार्थ)

संदर्भ

रोगाधिकार	औषधि का नाम	पृष्ठ
ज्वर, सिरदर्द, स्मरण शक्ति	आयुष्मान ऑयल	2
आमवात, गठिया, जोड़ों में दर्द	थर्मोफिल ऑयल	4
प्रदर रोग; ल्यूकोरिया	ल्यूकोरल सीरप	6
कफनिःसारक (खाँसी)	ब्रोन्कोरल सीरप	8
बालकों के उदर रोग में	बेबीलिव सीरप	10
वायु विकार, अम्ल पित्त, बदहजमी	गैसोफ सीरप	12
सर्वांगिक वल्य (शक्तिदायक टॉनिक)	कैफे पी सीरप	14
यकृत एवं प्लीहाजन्य रोगों में	स्प्लीनिव डी.एस.सीरप	16
रक्त शोधक एवं त्वचा रोग नाशक	डर्मोजिन सीरप	18
ज्वर नाशक एवं सर्दी – जुकाम	थर्मोक्योर सीरप	20
रक्त की कमी को दूर करने में	हीमोटिन सीरप	22
प्रदर रोग; ल्यूकोरिया	वेजाइट्रो कैप्सूल	6
रक्त शोधक एवं त्वचा रोग नाशक	डर्मोजिन कैप्सूल	18
वायु विकार, अम्ल पित्त, बदहजमी	डिसपेप कैप्सूल	12
यकृत एवं प्लीहाजन्य रोगों में	स्प्लीनिव कैप्सूल	16
शिरःशूल एवं अर्द्धशीशी शिरःशूल में	माइग्रा कैप्सूल	24
मानसिक तनाव में	जाइटी कैप्सूल	26
आमवात, गठिया, जोड़ों में दर्द	एक्नो कैप्सूल	4
रक्त की कमी को दूर करने में	हीमोटिन कैप्सूल	22
ज्वर नाशक	मेलोरिन कैप्सूल	20
कफनिःसारक (खाँसी)	ब्रोन्कफ कैप्सूल	8

Herbal
Ayushman
Scalp & Hair Oil
Fever, Headaches,
Tension and Tones Scalp

COMPLETELY SAFE

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 50 ml

THERMOPHIL OIL

Liniment Relives Muscular Pains & Aches

आमवात के कारण उत्पन्न गठियावायु
जैसे घुटनों, कोहनियों, कधों, कमर, एड़ी अस्थिगत
वात आदि, जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न में लाभकारी

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 25 ml, 50 ml, 100 ml & 400 ml

LUCORAL

Syrup

Leucorrhea, Dysmenorrhea, Abnormal Menstrual bleeding

Uterine Tonic

श्वेत प्रदर, रक्त प्रदर,
मासिक धर्म की अनियमितता
कमर दर्द, थकान आदि
मे लाभकारी

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 200 ml Syrup

BRONCORAL

COMPLETELY SAFE

COUGH SYRUP

Expectorant

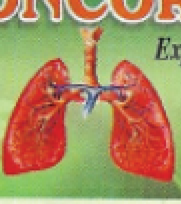

सर्दी व श्वाँसनली की सूजन के कारण
उत्पन्न कफ को साफ करने, दमा एवं
कुकर खाँसी आदि मे लाभकारी

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 100 ml Syrup

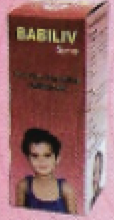

BABILIV

SYRUP

Stimulates & activates all Phases of digestive Secretion of Infants & Children

- INDIGESTION
- DYSPEPSIA
- FLATULENCE
- CONSTIPATION
- INTESTINAL NEUROSIS
- COLD & COUGH
- TEETHING
- GROWTH

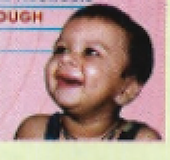

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 50 ml Syrup

GASOFF

SYRUP

DIGESTIVE ENZYMES

Indigestion, Hyper acidity,
Sour eructation, Flatulence,
Dyspepsia, Distension.

अपच, खट्टी डकार आना
पेट फूलना, वायु विकार
आदि मे लाभप्रद

HOW PRESENTED

Pilfer Proof Bottles of 200 ml Syrup

For The Medical Profession only.

MIGRA
Capsule

For Headaches and Migraine

सिरदर्द एवं अर्द्धशीशी सिरदर्द में लाभकारी

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

Ziety
CAPSULE

Insomnia, Anxiety, Emotional Tension
Depression of Mood

नींद न आना, बैचेनी
भावुकताजन्य मानसिक
तनाव, उदासी में
लाभकारी

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

ACHNO
CAPSULE

आमवात के कारण उत्पन्न
गठियावायु जैसे घुटनों, कोहनियों,
कधों, कमर, एड़ी अस्थिगत
वात आदि, जोड़ों में दर्द, सूजन
और अकड़न में लाभकारी

Successful Management of Rheumatic and Arthritic Disorders

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

Hemotin
Capsule & Syrup

FOR ANEMIA

रक्तवर्धक पदार्थों की
वृद्धि कर, रक्त की कमी
को दूर करने में
लाभदायक

HOW PRESENTED

Sealed Packs of 30's & 500's Capsules

A GMP Certified Company

Sun Rays Labs Limited

Herbal Health Care Product Division

Regd. Office : Ashokanta Nilayam, Kheria Street
Kasganj - 207 123. (Kasganj) U.P.

Tel. : +91 - 9412181180

E-mail : sunrayskasganj@rediffmal.com

Shri Manglam Printers # 09412658590